

संचयन (3) - टोपी शुक्ला

शब्दार्थ

- 1) परंपराओं - प्रथा ; प्रणाली जो बहुत दिनों से चली आ रही हो
- 2) डेवलपमेंट - विकास
- 3) अटूट - न टूटने वाला ; मजबूत
- 4) वसीयत - लंबी यात्रा पर जाने से पूर्व या अपनी मृत्यु के बाद अपनी संपत्ति के प्रबंध, उपयोग आदि के विषय में लिखित इच्छा जो दर्ज कर दी गई हो
- 5) करबला - इस्लाम का एक पवित्र स्थान
- 6) नमाज़ी - नियमित रूप से नमाज़ पढ़ने वाला
- 7) सटका - एक टोटका
- 8) चेचक - एक संक्रामक रोग जिसमें बुखार के साथ पूरे शरीर पर दाने निकल आते हैं, शीतल
- 9) पूरबी - पूरब की तरफ बोलੀ जाने वाली भाषा

10) छठी - जन्म के छठे दिन का स्नान
पूजन | उत्सव

11) जश्न - उत्सव ; खुशी का जलसा

12) नाक - नकशा - रूप-रंग

13) कस्टोडियन - जिस संपत्ति पर किसी का
मालिकाना हक न हो उसका
संरक्षण करने वाला विभाग

14) पेड़ - आम की गुठली से उगाया गया
आम का पेड़

15) बेशुमार - बहुत सारी

16) बाजी - बड़ी बहन

17) कचहरी - न्यायालय

18) पाक - पक्का

19) मुलुक - देश

20) अलब्रता - बल्कि

21) अमावस - पके आम के रस को सुखाकर
बनाई गई मोटी परत

22) तिलवा - तिल का लड्डू ; तिल से बने व्यंजन

23) लफ्ज - शब्द

24) दुर्गति - बुरी हालत

25) कुटाई - पिटाई

26) कबाबची - कबाब बनाने वाला

27) जुगराफिया - भूगोल शास्त्र

28) पुरस्का - सातवना देना

29) तबादला - बदली ; स्थानांतरण

30) सहसास - अनुभूति

31) शुशकार - कुत्ते को किसी के पीछे लगाने के
लिए निकाली जाने वाली आवाज़

32) दाज - (मूल शब्द दाँज) बराबरी

33) टरवि - जबान लड़ना ; बड़बड़ करना

34) गाउदी - भोंदू ; बुध्द

35) सितम - अन्याचार

36) लौंदा - गीली मिट्टी का पिंड

37) लीमन - लोग

38) नज़र-बद - बुरी नज़र

Q/A

1. इफ्फन टोपी शुक्ला की कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?
- इफ्फन टोपी शुक्ला की कहानी का ज़रूरी हिस्सा है, क्योंकि वही उसका पहला दोस्त था। उसके बिना टोपी की जिंदगी अधूरी लगती है। इफ्फन और टोपी अलग धर्मों के हैं, फिर भी दोनों के बीच गहरा रिश्ता है जो कहानी में दिखता है।

2. इफ्फन की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?
- इफ्फन की दादी अपने मायके इसलिए जाना चाहती थीं, क्योंकि वहाँ ढेर सारा दूध, दही और घी मिलता था। शादी से पहले वे वहाँ खूब खाती थीं और खुश रहती थीं। लखनऊ में मौलवी से शादी के बाद उन्हें उनकी आजादी नहीं थी और सब कुछ नीयम से करना पड़ता था। पीहर जाकर उन्हें आजादी सी और मस्ती मिलती थी, इसलिए उनका मन हमेशा वहाँ जाने को करता था और वे वहाँ की बातें याद करती थीं।

3. इफ्फन की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाई?
- इफ्फन की दादी अपने बेटे की शादी में गाना-बजाना इसलिए नहीं कर पाई, क्योंकि उनकी शादी एक मौलवी के घर हुई थी। वहाँ शादी या खुशी मनाने की परंपरा नहीं थी। इसलिए उनकी मन की इच्छा पूरी नहीं हो सकी।

4. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?
- टोपी के घरवाले पढ़े-लिखे होने के साथ-साथ सख्त हिंदू भी थे। जब टोपी ने 'अम्मी' शब्द कहा, जो मुस्लिम घरों में बोला जाता है, तो सब चौंक गए। उन्हें लगा कि टोपी ने उनकी परंपरा तोड़ दी है। ये उनके लिए एक बड़ा झटका था। सबने टोपी को घुरा और सोचा कि उसने ऐसा क्यों कहा। जब टोपी ने बताया कि उसने ये शब्द अपने दोस्त इफ्फन से सीखा है, तो उसकी माँ और दादी ने मारा भी। इस बात ने टोपी के घरवालों को परेशान कर दिया, क्योंकि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं सुना था।

5.

दस अक्टूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्व रखता है?

→ यह दिन इसलिए खास बन गया, क्योंकि उसी दिन इफ्फन के पिता का ट्रांसफर मुरादाबाद हो गया था। इफ्फन की दादी के गुजरने के कुछ दिन बाद ही ये हुआ। अब टोपी अकेला रह गया था, क्योंकि नये कलेक्टर के बच्चे उससे दोस्ती नहीं करते थे। टोपी को इफ्फन की बहुत याद आने लगी और उसकी जिंदगी से एक अच्छा दोस्त चला गया, जिससे वह बहुत दुखी हुआ। इस वजह से ये दिन उसके लिए हमेशा यादगार बन गया।

6.

टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात क्यों कही?

→ टोपी के दादी बहुत सख्त थीं। वे हमेशा टोपी को डाँटती थीं और कभी प्यार से बात नहीं करती थीं। वे पुराने विचारों वाली थीं और टोपी को इफ्फन के घर जाने से भी रोकती थीं।

दूसरी तरफ, इफ्फन की दादी बहुत प्यारी और शांत स्वभाव की थीं। वे बच्चों से प्यार से बात करती थीं और कभी डाँटती नहीं थीं। टोपी को उनकी बातें और अह्मर बहुत अच्छा लगता था। इसलिए उसने इफ्फन से कहा कि काश वह अपनी दादी को बदल सकता, क्योंकि उसे इफ्फन की दादी ज्यादा अच्छी लगती थीं।

7.

पूरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था?

→ उसे अपने घर में सबसे ज्यादा लगाव और प्यार अपनी दादी से था। उसे बाकी घरवालों से भी लगाव था, लेकिन कभी-कभी वे उसे डाँट देते थे। पर दादी ने कभी उसका दिल नहीं दुखाया। वे हर रात उसे प्यारी कहानियाँ सुनाती थीं। दादी का प्यार और उनका साथ इफ्फन को सबसे खास लगता था, इसलिए दादी से सबसे ज्यादा जुड़ा हुआ था और उन्हें बहुत मानता था।

8.

इफ्फन की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा क्यों लगा?

→ इफ्फन की दादी बहुत प्यार करने वाली थीं। टोपी को हमेशा किसी 'अपने' की जरूरत महसूस होती थी और इफ्फन की दादी उसे वो अपनापन देती थीं। जब भी टोपी उनके घर जाता था, तो दादी के पास ही बैठना पसंद करता था। उनके जाने के बाद टोपी को वो घर खाली-सा लगाने लगा, जैसे वहाँ कुछ कमी हो गई हो। अब वहाँ कोई पेशा नहीं बचा था जिससे वह जुड़ाव महसूस करता। इसलिए उसे इफ्फन का घर खाली-सा लगाने लगा और वह उदास हो गया।

9. टोपी और इफ्फन की दादी अलग-अलग मजहब और जाति के थे पर एक अनजान अदृष्ट रिश्ते से बंधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।

→ बच्चे सच्चे और सीधे होते हैं। उनके लिए धर्म और जाति का कोई मतलब नहीं रहता। वे बस प्यार और अपनापन समझते हैं। इफ्फन की दादी का प्यार टोपी को ऐसा ही लगा, जिससे वह उनकी तरफ खिंच गया। मजहब अलग होते हुए भी उनके बीच एक मजबूत रिश्ता बन गया। ये रिश्ता भावनाओं से बना था, जिसमें जाति या धर्म की दीवार नहीं थीं, और ये बहुत गहरा था।

10. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए -

(क) जहीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फेल होने के क्या कारण थे?

(ख) एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

(ग) टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्दत कर रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए?

क) टोपी एक तेज, होशियार और मेहनती लड़का था, लेकिन वह दो बार नौवीं कक्षा में फेल हो गया। पहले साल वह पढ़ नहीं पाया क्योंकि घरवाले उससे काम करवाते थे। दूसरे साल उसे टायफाइड हो गया था, इसलिए परीक्षा नहीं दे पाया।

ख) एक ही कक्षा में दो बार बैठने से उसे भावनात्मक परेशानी हुई:

- उनके सभी दोस्त 10वीं में चले गए, वह अकेला रह गया।
- शर्म के कारण किसी से खुलकर बात नहीं कर पाता था।
- शिक्षक उसका उदाहरण देकर मजाक उड़ाते थे।
- संहपाठी भी उसे चिढ़ाते थे।

ग) इन समस्याओं को देखते हुए शिक्षा व्यवस्था में ये बदलाव ज़रूरी हैं:

- किसी छात्र को दो बार एक ही कक्षा में न रोका जाए।
- जिस विषय में छात्र कमजोर है, उससे उसे हटाया जा सके।

• नंबरों की जगह ग्रेड से अगली कक्षा में भेजा जाए।

• अध्यापक छात्रों को अपमानित करने की बजाय उन्हें पढ़ने में मदद करें।

11. इफ्फन की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया?

→ इफ्फन की दादी पूर्वी राज्य से थीं। शादी के बाद वे लखनऊ में बस गईं। देश के बंटवारे के समय उनके मायके वाले कराची चले गए थे और घर खाली रह गया था। क्योंकि वहाँ अब कोई नहीं रहता था, वह घर सरकार के कस्टोडियन विभाग के पास चला गया। ऐसे घरों को सरकार लावारिस मान लेती थी और अपने कब्जे में ले लेती थी, क्योंकि उनका कोई मालिक नहीं बचा था।

— X —